

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – बहिःस्थ

परीक्षा : मे- २०२४

सत्र २ रे

विषय: काव्यादर्श आणि छन्दोविज्ञान (19E423)

दिनांक : २४/०५/२०२४

गुण : ८०

वेळ : स. १०.०० ते १.००

सूचना : सर्व प्रश्न अनिवार्य

- | | | | | |
|---|--|------------|----------------|-------------------|
| प्र. १. | श्लोकयोः छन्दांसि ज्ञात्वा सलक्षणं स्पष्टीकुरुत। | | | (२०) |
| १. गमभिषेके जलमाहरन्त्या हस्तात् सृतो हेमघटो युवत्या:।
सोपानमार्गेण करोति शब्दं ठंठं ठठं ठठं ठठं:॥
२. माता रामो मत्पिता रामचन्द्रः स्वामी रामो मत्पिता रामचन्द्रः।
सर्वस्वं मे रामचन्द्रो दयालुर्नायं जाने नैव जाने न जाने॥
३. भवन्ति नप्रास्तरवः फलोद्गमैः, नवाम्बुधिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुदध्यताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्॥
४. लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन् पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटन् शशविषाणमासादयेत् तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥ | | | | |
| प्र. २. | लक्षणं लिखित्वा वृत्तद्वयं स्पष्टीकुरुत। | | | (२०) |
| | १. वसन्ततिलका | २. शिखरिणी | ३. आर्या | ४. भुजङ्गप्रयातम् |
| प्र. ३. | श्लोकयोः अलङ्कारान् लिखित्वा अलंकारलक्षणं स्पष्टीकुरुत। | | | (२०) |
| | १. शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्धर्यनगम्यं बदे विष्णुं भवभयहरं सर्वलाकैकनाथम्॥
२. शैला इवोन्नताः सन्तः किन्तु प्रकृतिकोमलाः।
३. विद्या विवादाय धनं मदाय खलस्य शक्तिः परपीडनाय।
साधोस्तु सर्वं विपरीतमेतत् ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय॥
४. कन्या वरयते रूपं माता वित्तं पिता श्रुतम्।
बान्धवाः कुलमिच्छन्ति मिष्टान्नमितरे जनाः॥ | | | |
| प्र. ४. | लक्षणं लिखित्वा अलङ्कारद्वयं स्पष्टीकुरुत। | | | (२०) |
| | १. विभावना | २. उपमा | ३. अतिशयोक्ति: | |
-